PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Hindustan, Delhi
Sun, 28 May 2017, Page 14
Width: 12.50 cms, Height: 6.16 cms, a4, Ref: 25.2017-05-28.86

मुद्रा योजना: कर्ज लेने में महिलाएं आगे

नई दिल्ली | विशेष संवाददाता

मुद्रा योजना के तहत सूक्ष्म एवं छोटे कारोबार के लिए कर्ज लेने में महिलाओं ने एक बार फिर बाजी मार ली।

एक साल में कुल 1.80 लाख करोड़ रुपये में से 1.26 लाख करोड़ रुपये कर्ज लिया। वित्त वर्ष 2015-16 में भी महिलाएं योजना के तहत कर्ज लेने में आगे थीं। इस बार कर्ज लेने में महिलाओं ने 70% की हिस्सेदारी निभाई। सरकार के निर्धारित लक्ष्य को पार करने में महिलाओं में बड़ी भूमिका निभाई। इसके अलावा अनुसूचित जाति को 18%, अनुसूचित जनजाति को 4.5% और अन्य पिछड़ा वर्ग को 34% ऋण योजना के तहत मिला।

योजना के तहत शिशु, किशोर और तरुण श्रेणी में बैंकों ने 1.23 लाख करोड़ रुपये का और गैर-बैंकिंग संस्थानों ने 57 हजार करोड़ का कर्ज मुहैया कराया। सरकार ने यह योजना नए रोजगार से सृजन और छोटे व्यवसाइयों को उनकी जरूरत के हिसाब से ऋण मुहैया कराने के लिए शुरू की थी।

बाजी मारी

- सूक्ष्म कारोबार के लिए एक साल में 70% हिस्सेदारी महिलाओं की
- 1.80 लाख करोड़ में से 1.26 लाख करोड़ महिलाओं ने लिया